आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 84 | उज्जैन, शुक्रवार 14 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

वर्चुअल टूर से मिलेगी मध्यप्रदेश के इतिहास और संस्कृति की जानकारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

फिनलैंड की संस्था वी रियल बनाएगी प्रदेश के पर्यटन स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों पर वर्चुअल टूर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में गुरूवार को एमपी टूरिज्म बोर्ड और फिनलैंड की संस्था वी रियल के बीच प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और संग्रहालयों पर आधुनिक तकनीक का उपयोग कर वर्चुअल टूर तैयार करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीवंत अनुभूति देने वाले इन वर्चुअल टूर के माध्यम से अब पर्यटन, इतिहास और संस्कृति में रूचि रखने वाले व्यक्ति, अपने देश में रहते हुए मध्यप्रदेश के गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सकेंगे। इससे प्रदेश के पर्यटन स्थलों और एतिहासिक धरोहरों का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने में मदद मिलेगी और विश्व के विभिन्न देशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में भारत में फिनलैंड के राजदूत श्री किम्मो लाहदेविर्ता का शॉल और पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और संस्कृति को प्रदर्शित करती कॉफी टेबल बुक भेंट की।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि फिनलैंड की कंपनी वी-रियल द्वारा इतिहास, संस्कृति, और धरोहर का उन्नत तकनीक के माध्यम से वीडियो निर्माण कर संरक्षित और पुनर्जीवित किया जाता है। कंपनी इस वर्चुअल टूर को अपने प्लेट फार्म पर उपलब्ध कराती है, जो वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक संस्थाओं सहित टूर और ट्रैवल संस्थानों सहित आम नागरिकों के लिए उपलब्ध रहते हैं। आज हुए इस एमओयू से मध्यप्रदेश के इतिहास और संस्कृति की अद्यतन जानकारी वर्चुअल स्वरूप में वैश्विक स्तर पर सहज रूप से उपलब्ध होगी। एमओयू हस्ताक्षर अवसर पर अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी, वी रियल संस्था के सीईओ श्री जोहानेस स्वॉर्डस्टॉर्म सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वेतन-भत्तों के चक्कर में अटका राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड, संसदीय समिति ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन में हो रही देरी पर संसदीय समिति ने गहरी चिंता जताई है। समिति का मानना है कि सड़क सुरक्षा की गंभीर स्थिति को देखते हुए इस बोर्ड का गठन शीघ्र होना चाहिए। तीन साल पहले इस बोर्ड के गठन का विचार आया था और एक साल पहले इसकी प्रक्रिया शुरू हुई थी। अध्यक्ष पद के लिए चयन और नियुक्ति की घोषणा भी हो चुकी थी, लेकिन अब तक औपचारिक चिट्ठी संबंधित व्यक्ति तक नहीं पहुंची है।

है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके गठन का निर्देश दिया था।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों को सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट के सभी पहलुओं पर सुझाव देना है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके गठन का निर्देश दिया था। कई समितियों और सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे अमेरिका जैसे देशों की तर्ज पर रोड सेफ्टी का रामबाण के समान उपचार बताया है।

भारत में सड़क सुरक्षा की स्थिति अत्यंत गंभीर- भारत में सड़क सुरक्षा की स्थिति अत्यंत गंभीर है। यहां प्रति वर्ष पांच लाख दुर्घटनाएं होती हैं और 1.80 लाख लोगों की मृत्यु होती है।

बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को मिलेगी Z कैटेगरी सुरक्षा, IB ने जताई थी खतरे की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को Z कैटेगरी सुरक्षा दी है। ये फैसला तब लिया गया जब आईबी ने दलाई लामा पर खतरे की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दी थी।

Z सिक्योरिटी के तहत दलाई लामा को कुल 33 सुरक्षाकर्मी मिलेंगे, जिनमें हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में उनके निवास पर तैनात सशस्त्र स्थिर गार्ड, चौबीसों घंटे सुरक्षा देने वाले निजी सुरक्षा अधिकारी और शिफ्ट में सशस्त्र एस्कॉर्ट कमांडो शामिल हैं। इसके अलावा, प्रशिक्षित चालक और निगरानी कर्मी हमेशा ड्यूटी पर रहेंगे, जिससे उनकी सुरक्षा में कोई चूक न हो।

कौन हैं दलाई लामा- दलाई लामा 89 साल के तिब्बती आध्यात्मिक नेता है। उन्हें बौद्ध अनुयायी करुणा के रूपक के तौर पर देखते हैं। उन्हें शांति पर उनकी शिक्षाओं के लिए जाना जाता है। लाखों लोग उनका सम्मान और अनुसरण करते हैं।

साल 1989 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साल 1959 में तिब्बत से भागने के बाद से वो भारत में रह रहे हैं।

संसद में पेश होने के बाद समिति को भेजा गया नया आयकर विधेयक, इन पांच प्वाइंट्स पर है सरकार का फोकस

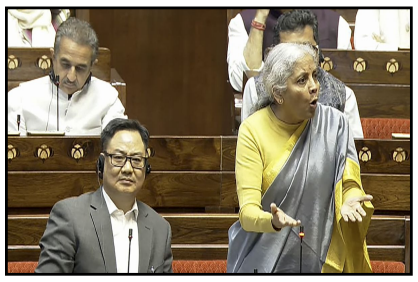

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में नया आयकर विधेयक पेश किया। इस विधेयक के पेश होते ही सदन में विपक्ष के सांसदों ने जबरदस्त विरोध किया। माना जा रहा है कि नया विधेयक 1961 के आयकर अधिनियम की जटिल शब्दावली को कम करने और इसको आसान बनाने में मदद करेगा।

संसद के पटल पर बिल के पेश होते ही विपक्ष के कुछ सदस्यों ने वॉकआउट कर दिया। कुछ सांसदों ने कई सवाल खड़े किए। कांग्रेस के मनीष तिवारी और आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि नया कर बिल वास्तव में पुराने से कहीं ज्यादा जटिल है।

पांच सिद्धांतों पर आधारित हैं नए कानून- केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बिल को पेश करते हुए कहा कि मौजूदा कानून में 800 से ज़्यादा धाराएं है, हालांकि, प्रस्तावित कानून में सिर्फ़ 536 धाराएं हैं।

इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वित्त मंत्रालय ने कहा कि नई कर प्रणाली पांच मुख्य सिद्धांतों पर आधारित है। इन पांच सिद्धांतों में सुव्यवस्थित संरचना और भाषा, एकीकृत और संक्षिप्त, न्यूनतम मुकदमेबाजी, व्यावहारिक और पारदर्शी, सीखें और अनुकूलित करें, तथा कुशल कर सुधार शामिल हैं।

आपको बता दें कि नए विधेयक में पुराने और गैर जरूरी प्रावधान हटा दिए गए हैं। इससे कानून अधिक प्रासंगिक हो गया है। मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। इसे आम नागरिकों के समझने लायक बनाया गया है।

संसदीय कमेटी को भेजा गया विधेयक- वित्त मंत्री ने इस बिल को लोकसभा में पेश किया। यहां पर विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया गया।

स्थानीय कानूनों से हो नर्सरी व प्राथमिक स्कूल भवनों का निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि देश में नर्सरी और प्राथमिक विद्यालयों का संचालन ऐसे भवनों में होना चाहिए जिनका निर्माण स्थानीय कानूनों के अनुरूप हुआ हो। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की याचिका पर सुनवाई के दौरान आदेश पारित किया।

कोर्ट ने स्कूल की सीढ़ियों लेकर भी निर्देश जारी किए- याचिका में सीबीएसई ने शीर्ष अदालत के 13 अप्रैल 2009 के फैसले में दिए गए निर्देशों को लेकर जानकारी मांगी है। अपने 2009 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्देश दिया था। इसके मुताबिक नर्सरी और प्राथमिक विद्यालयों को एक मंजिला इमारत वाले भवन में संचालित किया जाए। साथ ही भवन में भूतल समेत तीन से ज्यादा मंजिल नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने स्कूल की सीढ़ियों लेकर भी निर्देश जारी किए थे।

सीबीएसई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोर्ट ने 2009 में आग के खतरों के मद्देनजर यह निर्देश जारी किए थे। अब देश में कई राज्य ऐसे हैं जिनके भवन निर्माण नियमों में आग से बचाव के इंतजामों के साथ चार मंजिला और पांच मंजिला इमारतें तक बनाने की अनुमति है।

सीबीएसई के मानदंड सुप्रीम कोर्ट के 2009 के फैसले के अनुरूप - सीबीएसई के मानदंड सुप्रीम कोर्ट के 2009 के फैसले के अनुरूप हैं।

पार्किंसन बीमारी का योग से इलाज संभव! बन सकता है कारगर विकल्प, आयुष मंत्रालय ने बनाई एक्सपर्ट कमिटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पार्किंसन के मरीजों में बोलने में आने वाली दिक्कतों को योग से निदान किया जा सकेगा। वैज्ञानिक पार्किंसन के मरीजों में बोलने से जुड़ी दिक्कतों को दूर करने योग के प्रभावों के अध्ययन कर रहे हैं और शुरूआती नतीजे उत्साहवर्द्धक हैं।

पार्किंसन बीमारी एक तंत्रिका संबंधी विकार (न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर) है, जो मुख्य रूप से तंत्रिका तंत्र और तंत्रिकाओं द्वारा नियंत्रित शरीर के हिस्सों को प्रभावित करता है। शोध के अनुसार पार्किंसन के 89 फीसद मरीजों में बोलने से जुड़ी समस्याएं होती हैं।

हमारी मिसाइलें दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनीं, एयरो इंडिया 2025 में बोले राजनाथ सिंह

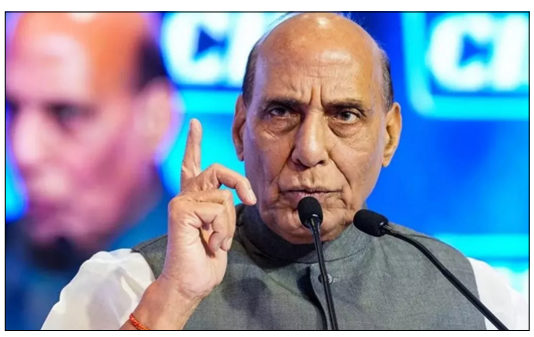

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत परिवर्तन के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है। देश के लड़ाकू विमान, मिसाइल प्रणाली, नौसैनिक पोत न केवल हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं बल्कि पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन रहे हैं।

राजनाथ ने यहां एयरो इंडिया 2025 के स्वदेशीकरण कार्यक्रम और समापन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, एयरो इंडिया ने जो ऊंचाइयां हासिल की हैं, वह न केवल अद्वितीय हैं बल्कि ऐतिहासिक भी हैं। मैं पिछले तीन दिन से इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से मौजूद हूं और अगर मुझे अपने अनुभव को तीन शब्दों में व्यक्त करना हो तो वह है ऊर्जा, ऊर्जा और ऊर्जा।

उन्होंने कहा, यहां जो कुछ भी हमने देखा वह ऊर्जा का प्रकटीकरण है। यह ऊर्जा और उत्साह न केवल भारत के प्रतिभागियों में बल्कि दुनियाभर से देखा जा सकता है। हमारे उद्यमियों, हमारे स्टार्टअप और नवप्रवर्तकों में जो उत्साह देखा गया, वह सराहनीय है।

देश बदलाव के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है - रक्षा मंत्री ने बताया कि देश बदलाव के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है। सभी जानते हैं कि भारत ऐतिहासिक रूप से अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर रहा है। अगर मैं एक दशक पहले की बात करूं तो हमारे देश में 65 से 70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे। अगर हम आज की स्थिति को देखें तो आप इसे समाधान या चमत्कार कह सकते हैं, लेकिन आज देश में लगभग उतने ही प्रतिशत रक्षा उपकरणों का निर्माण हो रहा है।

पांच देशों के रक्षा मंत्रियों से मिले राजनाथ- रक्षा मंत्री राजनाथ ने बुधवार को एयरो इंडिया के दौरान पांच देशों जिम्बाब्वे, यमन, इथोपिया, गांबिया और गैबान के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में इन देशों के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ करने पर चर्चा हुई और रक्षा से जुड़े कई क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति बनी।

जीत के लिए नई अवधारणा जरूरी- सीडीएस- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को एयरो इंडिया कार्यक्रम में भविष्य के संघर्षों के साथ प्रौद्योगिकियों को जोड़े जाने के विषय पर एक संगोष्ठी को संबोधित किया।

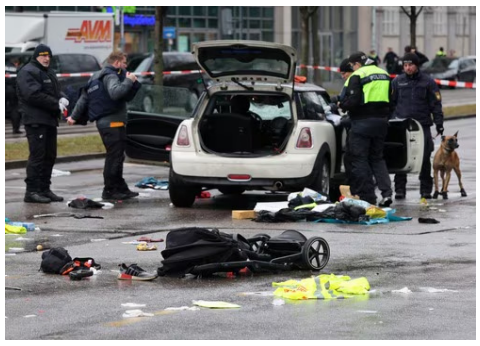

जेलेंस्की और जेडी वेंस के आने से पहले म्यूनिख में बड़ा हमला, सनकी ड्राइवर ने कार से भीड़ को कुचला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी के म्यूनिख में एक व्यक्ति ने अपनी कार भीड़ पर चढ़ा दी, जिससे कम से कम 15 लोग घायल हो गए। यह घटना शहर के केंद्रीय रेलवे स्टेशन के पास हुई है। घटना के बाद इलाके में हाई अलर्ट है। पुलिस और सुरक्षाबल ने ऐक्शन लेते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब आगामी शुक्रवार से म्यूनिख सुरक्षा सम्मलेन शुरू होने वाला है। इस सम्मेलन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और यूक्रेनी प्रेजिडेंट वलोडोमिर जेलेंस्की उपस्थित रहेंगे।

पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि यह घटना कैसे हुई। हालांकि, उन्होंने अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के लिए जेंलेस्की और जेडी वेंस आज 13 फरवरी को म्यूनिख पहुंचने वाले हैं। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर जानकारी दी कि संदिग्ध ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है और अब वह किसी भी तरह का खतरा नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना ङ्कद्गह्म्स्रद्ब यूनियन द्वारा आयोजित एक हड़ताल से जुड़ी प्रदर्शन रैली में शामिल लोगों को प्रभावित करने के लिए हो सकती है। हालांकि, पुलिस कई एंगल पर मामले की जांच कर रही है। म्यूनिख की घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। हालांकि, अब तक इसे आतंकवादी हमला मानने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही इस घटना के पीछे की असली मंशा सामने आ सकेगी।

पिछले साल जर्मनी के मैगडेबर्ग शहर में भी इसी तरह की एक दर्दनाक घटना हुई थी, जब एक प्रवासी ने भीड़ पर कार चढ़ा दी थी।

अमेरिका के रेस्टोरेंट में आई थी महिला, सिक्योरिटी गार्ड ने अचानक मार दिया थप्पड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। लॉस एंजिल्स के टैको बेल रेस्टोरेंट में एक सिक्योरिटी गार्ड को एक महिला कस्टमर के साथ शारीरिक रूप से मारपीट करते हुए देखा गया, ये घटना वीडियो में कैद हुई है।

सोशल मीडिया पर सामने आए फुटेज में महिला को गार्ड से दूर जाते हुए खुद को बचाने के लिए सेल्फ-सर्विस का इस्तेमाल करते देखा जा सकता है। जब गार्ड महिला के पास आता है और उसके चेहरे पर जोरदार थप्पड़ मारता है।

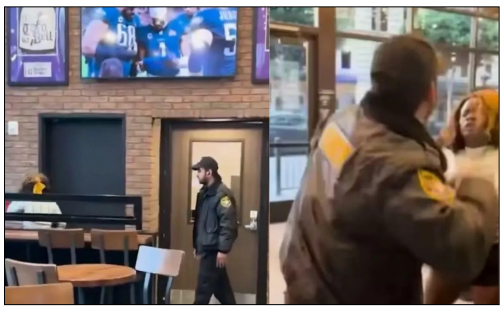

महिला पर सिक्योरिटी गार्ड ने किया हमला- अभी घटना के पीछे की वजह ठीक से स्पष्ट नहीं हो पाए हैं, लेकिन इस घटना को लेकर कुछ लोगों ने अनुमान लगाया है कि महिला के कारण ऐसी स्थिति पैदा हुई होगी।

इस घटना को कैमरे में कैद करने वाले गवाह एलेजांद्रो सांचेज ने आरोप लगाया कि टैको बेल के कर्मचारी सिक्योरिटी गार्ड की हिंसक हरकतों से ज्यादा इस बात को लेकर चिंतित थे कि वह झगड़े को रिकॉर्ड कर रहा है। सांचेज ने यह भी सवाल उठाया कि क्या महिला को उसके रूप-रंग के कारण निशाना बनाया गया।

क्या था पूरा मामला- सिक्योरिटी गार्ड उसे जाने के लिए कह रहा था, और वह नहीं जाना चाहती थी क्योंकि वह खाना ऑर्डर कर रही थी। फिर वह जाने लगी और थोड़ा क्रेजी हरकतें करने लगी। इसके बाद गुस्से में आकर सिक्योरिटी गार्ड ने महिला को थप्पड़ मार दिया। इस तरह की घटना देख हर कोई हैरान रह गया और सोचने लगे कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। एलेजांद्रो सांचेज ने इस घटना की जानकारी दी है।

इस बीच, स्टोर में मौजूद ग्राहक इस घटना पर हस्तक्षेप करने में विफल रहे। महिला को अंततः रेस्टोरेंट से बाहर निकाले जाने से पहले सिक्योरिटी गार्ड से बहस करते देखा जा सकता है। टैको बेल ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। वहीं इस वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट्स की बौछार कर दी है।

वीडियो पर लोगों ने दिया ऐसा रिएक्शन

वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, वाकई? बिना किसी कारण के बस चले गए और उसे थप्पड़ मार दिया? यह बात मुझे पसंद नहीं आई। एक अन्य ने टिप्पणी की, हमें यह जानने की जरूरत है कि इससे पहले क्या हुआ था, क्या आप हमें कुछ संदर्भ दे सकते हैं?

पहले ट्रंप की पुतिन से बात, अब मोदी से मुलाकात; नई त्रिमूर्ति से चीन की क्यों उड़ी नींद

यह महज संयोग है या अमेरिका के नए राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप का एक कूटनीतिक प्रयोग कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के मुखिया ने दूसरे शक्तिशाली देश के मुखिया से फोन पर डेढ़ घंटे बातचीत की है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब दुनिया का एक तेजी से बढ़ता हुआ और आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश यानी भारत के प्रधानमंत्री से ट्रंप की मुलाकात होने वाली है। वैसे तो दुनियाभर में नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर चर्चा है और कहा जा रहा है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते पहले से और बेहतर हुए हैं। ट्रंप गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी करेंगे। ट्रंप के पिछले महीने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली द्विपक्षीय वार्ता होगी। इस बैठक में मोदी और ट्रंप द्विपक्षीय व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी और आव्रजन जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा करेंगे लेकिन इस वैश्विक घटनाक्रम से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े शक्तिशाली देश चीन की नींद उड़ गई हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप रूस और भारत को साथ लेकर चीन के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहते हैं और उसे दुनियाभर में न केवल अलग-थलग करना चाहते हैं।

यूक्रेन में शांति के लिए रूस-अमेरिका के बीच मध्यस्थता करेगा चीन? क्रेमलिन ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के बीच इस मुद्दे को लेकर फोन पर बातचीत भी हुई है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि इन देशों को बीच में मध्यस्थता करने के लिए कौन सा देश तैयार होगा। क्रेमलिन से गुरुवार को जब पूछा गया कि क्या चीन इस मामले में मध्यस्थता करेगा। इस सवाल का जवाब देते हुए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि हमें इस मामले में फिलहाल सब्र रखने की जरूरत है।

मीडिया से बात करते हुए पेसकोव ने कहा कि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच में बातचीत जारी है। जहां तक मध्यस्थता की बात है चीन के साथ हमारे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक संबंध हैं। हम इन रिश्तों के महत्वपूर्ण मानते हैं। लेकिन मध्यस्थता के मुद्दे पर हमें अभी सब्र करने की जरूरत है।

इजरायल का ट्रंप कार्ड कर गया काम! गाजा में इजरायली बंधकों पर हमास ने कैसे छोड़ी अकड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच गाजा में लागू हुआ संघर्षविराम समझौता बीते कुछ दिनों से अधर में जाता दिखाई दे रहा था। बीते सप्ताह हमास ने इजरायल पर समझौते को तोड़ने का आरोप लगाते हुए बाकी बचे इजरायली बंधकों की रिहाई से इनकार कर दिया था जिससे मिडिल ईस्ट से लेकर अमेरिका तक में खलबली मच गई थी। हालांकि अब हमास ने इस समझौते पर आगे बढ़ने को लेकर सहमति जता दी है। हमास ने गुरुवार को कहा है कि वह तय समय-सीमा के भीतर बंधकों की अदला-बदली के लिए राजी है। वहीं हमास संघर्ष विराम समझौते को प्रभावी बनाए रकने के लिए भी तैयार है।

हमास ने गुरुवार को एक बयान जारी कर युद्धविराम खत्म होने की अटकलों पर रोक लगाए हुए कहा है कि वह योजना के मुताबिक इजरायली बंधकों को रिहा करेगा। हमास ने कहा कि मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे मिस्र और कतर ने पुष्टि की है कि वे सभी बाधाओं को दूर करने के लिए काम करेंगे और संघर्ष विराम समझौते पर कोई आंच नहीं आएगी। बयान में संकेत भी दिए गए है कि शनिवार को तीन और इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा। वहीं हमास की घोषणा के बाद इजरायल की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

हमास के इस बयान के सामने आने के पीछे कई वजहें हो सकती हैं। दरअसल हमास ने कुछ दिनों पहलेही इजरायली बंधकों की अगली रिहाई में देरी करने की धमकी दी थी। समूह ने इजरायल पर संघर्ष विराम के उल्लंघन का आरोप लगाया था।

ताइवान फूड कोर्ट में बड़ा हादसा, गैस विस्फोट से चार की मौत; 26 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताइवान के एक डिपार्टमेंटल स्टोर में गुरुवार को गैस विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई और 26 घायल हो गए। ताइचुंग फायर ब्यूरो ने कहा कि विस्फोट ताइचुंग में शिन कांग मित्सुकोशी डिपार्टमेंट स्टोर की 12वीं मंजिल पर फूड कोर्ट में हुआ।

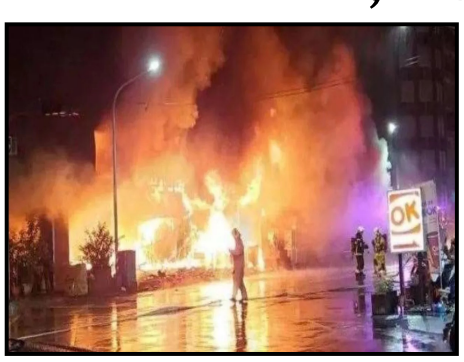

मृतकों में मकाऊ से आए दो लोग भी शामिल हैं। परिवार के सात लोग घूमने के लिए वहां आए थे। घायलों को ताइचुंग के स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुबह लगभग 11ः30 बजे दर्जनों अग्निशामकों को घटनास्थल पर तैनात थे। इमारत का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था और टुकड़े सड़क पर बिखरे हुए थे।

क्या बोले ताइचुंग के मेयर- ताइचुंग के मेयर लू शिओ-येन ने कहा कि उन्हें पास के अपने कार्यालय में झटका महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि अग्निशमन ब्यूरो बचाव अभियान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

साथ ही जांच भी चल रही है और कि क्या खतरे के अन्य स्त्रोत भी हैं। ताइवान के राष्टपति लाई चिंग चेह हसिन ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों से दुर्घटना के कारण की जांच करने कहा है।

साल की महिला टीचर ने छात्र के साथ बनाए संबंध, खुलासा हुआ तो कोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सास से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। टेक्सास के मोंट बेल्वियू में बार्बर्स हिल स्कूल में 35 साल की आर्ट और लैंग्वेज की टीचर ओली कोलीन स्पीयर्स को एक टीन मेल छात्र के साथ गलत संबंध रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, स्पीयर्स ने अभियोग के बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी होने के लगभग एक साल बाद मंगलवार को खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, कथित घटना 12 जून, 2023 को हुई थी।

कोर्ट ने ठहराया दोषी- अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, स्पीयर्स ने कथित तौर पर पाठ संदेशों और एक ऑनलाइन सेवा के जरिए छात्र से संपर्क बनाना शुरू किया था। उसकी उम्र का खुलासा नहीं किया गया है। उसे एक छात्र के साथ अनुचित संबंध रखने के लिए 8 फरवरी, 2024 को चैंबर्स काउंटी ग्रैंड जूरी की तरफ से दोषी ठहराया गया था।

12 फरवरी, 2024 को उसकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया था। हालांकि, स्पीयर्स 11 फरवरी, 2025 तक फरार रही, इसके बाद उसने अपने वकील के साथ चैंबर्स काउंटी जेल में आत्मसमर्पण कर दिया।

उसे 20 साल तक की सजा हो सकती है। मौली स्पीयर्स ने अगस्त 2021 से जून 2023 तक बार्बर्स हिल आईएसडी के लिए एक हाई स्कूल शिक्षिका के रूप में काम किया। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में इस्तीफा दे दिया।

मर्सिडीज और पोर्श...लग्जरी कारों में ग्रैंड एंट्री पड़ी भारी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में क्लास 12 के बच्चों ने कुछ ऐसा कर दिया कि उनके माता-पिता के खिलाफ पुलिस केस दर्ज कर लिया गया।

दरअसल कक्षा 12 के छात्रों के एक समूह ने 35 हाई-एंड कारों के काफिले में स्कूल के फेयरवेल समारोह में भाग लिया और रास्ते में स्टंट दिखाए. एक अधिकारी ने कहा कि 22 कारें जब्त की गई हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने उठाया कदम- यह कार्रवाई 7 फरवरी को एक वीडियो के वायरल होने के बाद की गई जिसमें नाबालिग स्कूल के लड़के शहर की सड़क पर बीएमडब्ल्यू, मासेराती, मर्सिडीज और पोर्श जैसी कारें चलाते और स्टंट करते हुए दिखाए गए थे।

उनमें से कुछ को कार के दरवाजों पर खतरनाक तरीके से बैठे हुए या सनरूफ के जरिए अपने सिर बाहर निकालते हुए स्मोक गन पकड़े हुए देखा गया। पुलिस के अनुसार, वे शहर के ओलपाड क्षेत्र में फाउंटेनहेड स्कूल में एक विदाई समारोह में भाग लेने जा रहे थे।

वीडियो ने शहर के कई लोगों को चौंका दिया, स्कूल प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि छात्रों को यह साफ तौर से कहा गया था कि वे स्कूल में ड्राइव न करें, भले ही उनके पास ड्राइविंग लाइसेंस हो।

कई छात्रों के पास नहीं थे ड्राइविंग लाइसेंस- बुधवार को पाल पुलिस स्टेशन पर छह प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गईं, उप पुलिस आयुक्त आर पी बारोट ने कहा, हमने 35 कारों में से 26 की पहचान की, और अब तक 22 को हिरासत में लिया है। उनके मालिकों को नोटिस जारी किए गए।

मां ने मोबाइल इस्तेमाल करने को किया मना, तो बच्ची ने 20वीं मंजिल से कूदकर दे दी जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में कडुगोडी पुलिस स्टेशन की सीमा में एक 15 साल की लड़की ने अपने अपार्टमेंट की 20वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पीड़िता की पहचान 10वीं कक्षा की छात्रा अवंतिका चौरसिया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, लड़की का परिवार मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

लड़की के पिता इंजीनियर हैं और मां गृहिणी हैं। लड़की एक निजी स्कूल में पढ़ती थी और एक टेस्ट में उसके कम अंक आए थे। क्योंकि वार्षिक परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होने वाली हैं, इसलिए लड़की अपने मोबाइल फोन के साथ समय बिताती पाई गई।

लड़की की मां ने क्या कहा- यह देखने के बाद, लड़की की मां ने इस पर आपत्ति जताई और उसे ज्यादा मोबाइल फोन चलाने से मना किया और जोर देकर कहा कि उसे इसके बजाय पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। पुलिस को संदेह है कि इससे नाराज होकर लड़की ने अपार्टमेंट की 20वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

कडुगोडी पुलिस मौके पर पहुंच गई है और घटना के बारे में जानकारी जुटा रही है। माता-पिता की ओर से आधिकारिक बयान दर्ज होना बाकी है और मामले के बारे में और जानकारी सामने आनी बाकी है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में स्पीच देंगी नीता अंबानी, दुनिया में भारत के योगदान पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित वार्षिक भारत सम्मेलन में भारतीय व्यापार, नीति और संस्कृति पर भाषण देंगी। इस अवसर पर वह हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के पूर्व डीन और जाने-माने शिक्षाविद नितिन नोहरिया के साथ बातचीत करेंगी।

इस दौरान वह भारत की कला और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा करेंगी और बताएंगी कि आधुनिक दुनिया में भारत को स्थापित करने में वे किस तरह से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

15 से 16 फरवरी में होगा सम्मेलन - यह सम्मेलन 15-16 फरवरी को अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा और इसमें 1000 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है।

उनकी चर्चा इस साल के सम्मेलन की थीम- फ्रॉम इंडिया टू द वर्ल्ड पर होगी, इसका उद्देश्य वैश्विक योगदानकर्ता के रूप में भारत की यात्रा का जश्न मनाना और यह पता लगाना है कि कैसे भारतीय नवाचार, विचार और आवाजें दुनिया भर में साझा शांति और समृद्धि के लिए मार्ग तैयार कर रही हैं।

नीता अंबानी दुनिया में भारत की सबसे प्रभावशाली आवाजों में से एक के रूप में उभरी हैं, जिन्होंने कला, शिल्प, संस्कृति, खेल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भारत की सॉफ्ट पावर को दुनिया के सामने लाने और भारत की सर्वश्रेष्ठ चीजों को दुनिया के सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फ्लाइट से भी कम समय में पहुंचेंगे हैदराबाद से चेन्नई, जानिए क्या है सरकार की प्लानिंग; यात्रियों के बचेंगे 10 घंटे

भारतीय रेल लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए कई प्रयास कर रहा है। रेलवे की कोशिश है कि ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई, जिससे कम समय में लोग अपने गंतव्य तक पहुंच सके। इस कड़ी में केंद्र सरकार ने हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा है।

दरअसल, ये हाई स्पीड कॉरिडोर हैदराबाद से चेन्नई को जोड़ेगा। इस कॉरिडोर के बन जाने के बाद बेंगलुरु और चेन्नई की दूरी कम समय में तय की जा सकेगी। माना जा रहा है कि इस कॉरिडोर के निर्माण बाद 2 घंटे में बेंगलुरु पहुंचा जा सकेगा।

केवल दो घंटों में हैदराबाद से बैंगलुरु- माना जा रहा है कि इन दो कॉरिडोर के निर्माण के बाद से लोगों का करीब 10 घंटे का समय बचेगा। वर्तमान में हैदराबाद से चेन्नई पहुंचने में 12 घंटे से अधिक समय लगता है। जानकारी के अनुसार ये कॉरिडोर हैदराबाद से जुड़ा होगा, जो बेंगलुरु और चेन्नई को जोड़ेगा।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस कॉरिडोर में ट्रेनों की औसत स्पीड 320 किमी प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। इस वजह से यात्री आसानी से केवल दो घंटों में बेंगलुरू पहुंच सकेंगे। वहीं, बेंगलुरु से 20 मिनट में चेन्नई पहुंचा जा सकेगा। अभी तक की जानकारी के मुताबिक हैदराबाद-चेन्नई रेल रूट कॉरिडोर 705 किलोमीटर लंबा रहने की संभावना है। वहीं, हैदराबाद-बेंगलुरु मार्ग 626 किलोमीटर लंबा होगा।

फ्लाइट्स से मुकाबला करेंगी ट्रेनें- हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक की फ्लाइट्स से करीब 1.15 घंटे का वक्त लगता है। वहीं, हैदराबाद से चेन्नई की फ्लाइट से 1.20 घंटे का वक्त लगता है। इन एयरपोर्ट्स पर पहुंचने में भी काफी समय लगता है, ऐसे में इस यात्रा का कुल वक्त 2 से 3 घंटों का हो जाता है। रेलवे कॉरिडोर के बनने के बाद ये यात्रा महज तीन घंटों की रह जाएगी।

पिता ने मुझे आदेश दिया था कि... न्यायपालिका में वंशवाद को लेकर क्या बोले पूर्व CJI चंद्रचूड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने कार्यकाल से जुड़ी कई घटनाओं को याद किया है। राम मंदिर से जुड़े फैसले से लेकर गणेश पूजा के लिए पीएम मोदी के उनके घर आने पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के जज हमेशा व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हैं। कोर्ट के जजों की कोशिश होती है कि उनके फैसलों से न्यायपालिका पर लोगों का विश्वास बढ़े। बीबीसी के प्रोग्राम हार्डटॉक पर बातचीत करते हुए उन्होंने कई सवालों के जवाब दिए।

न्यायपालिका में पुरुषों के वर्चस्व पर क्या बोले सीजेआई?

न्यायपालिका में वंशवाद की समस्या और पुरुषों के वर्चस्व को लेकर जब डी.वाई. चंद्रचूड़ से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा का न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। जिला न्यायपालिका , जो हमारे देश की सबसे निचली अदालत है, वहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। वहीं, देश के कई ऐसे राज्य हैं, जहां की निचली अदालत में महिलाओं की भर्ती 60 से 70 प्रतिशत है।

मुख्य न्यायाधीश के बेटे होने के सवाल पर उन्होंने कहा, मेरे पिता वाईवी चंद्रचूड़ ने उनसे कहा था कि जब तक वे भारत के मुख्य न्यायाधीश हैं, तब तक वे कानून की अदालत में प्रवेश न करें। इसलिए मैंने हार्वर्ड लॉ स्कूल में अपनी पढ़ाई के लिए तीन साल बिताए। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद मैंने पहली बार अदालत में दाखिल हुआ।

मैंने राम मंदिर का फैसला सुनाने से पहले- पूर्व सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जजों पर काम का काफी दबाव रहता है। ऐसे में वो अपनी थकान मिटाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते हैं। मेरे लिए यह तरीका ध्यान और प्रार्थना का है। हालांकि, ध्यान और प्रार्थना मुझे सिखाती है कि देश के हर धार्मिक समुदाय के साथ निष्पक्ष रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह अयोध्या पर फैसले से पहले भगवान राम के सामने प्रार्थना कर रहे थे।

दुनिया के 99 प्रतिशत लोग प्रदूषित हवा में ले रहे हैं सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर में 99त्न से अधिक आबादी डब्ल्यूएचओ के वायु गुणवत्ता मानकों से अधिक प्रदूषित हवा में सांस ले रही है, जबकि केवल एक तिहाई देशों में ही वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन उपलब्ध हैं, जिससे सटीक डेटा की कमी बनी हुई है। AQI.in 140 देशों के 5,000 से अधिक शहरों और 15,000 मॉनिटरिंग स्टेशनों के लिए वास्तविक समय डेटा के साथ वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए एक वैश्विक मंच बन चुका है।

AQI.in की स्थापना 2017 में विश्वसनीय वायु गुणवत्ता डेटा को सभी के लिए सुलभ बनाने के मिशन के साथ की गई थी क्योंकि डेटा उपलब्धता सीमित थी। कुछ सालों के भीतर, डेटा सटीकता और कमी जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद AQI वास्तविक समय में वायु गुणवत्ता की जानकारी के लिए एक विश्वसनीय स्रोत बन गया।

शहर की रैंकिग वायु गुणवत्ता के बारे में बढ़ाती है जागरूकता- उपयोगकर्ता-केंद्रित सुविधाओं और नवाचारों के प्रति प्रतिबद्धता ने AQI.in को दुनिया भर में तीसरा सबसे अधिक देखा जाने वाला वायु गुणवत्ता मंच बनने में मदद की। इंटरैक्टिव मानचित्र, ऐतिहासिक रुझान, शहर एवं देशों की रैंकिंग और वायु प्रदूषण के बारे में शैक्षिक जानकारी उपयोगकर्ताओं के बीच वायु गुणवत्ता के बारे में जागरूकता बढ़ाती है।

क्या से लाया जाता है डाटा- AQI.in पर, व्यापक और विश्वसनीय डेटा के लिए सरकारी मॉनिटरों, पर्यावरण संगठनों और स्वयं के वायु गुणवत्ता मॉनिटरों से डेटा एकत्र किया जाता है। AQI.in के संस्थापक रोहित बंसल कहते हैं, अब तक दुनिया भर में 15 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ, हम उपयोगकर्ता-अनुकूल नवाचारों के साथ वायु गुणवत्ता निगरानी को बदल रहे हैं।

AQI.in का उपयोगकर्ता आधार भारत के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और थाईलैंड में सबसे बड़ा है। उन्नत तकनीक 30 मिनट के वास्तविक समय वायु गुणवत्ता डेटा अपडेट, क्लाउड कंप्यूटिंग और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि के साथ मशीन लर्निंग समर्थन के रूप में प्रमुख आकर्षण है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन द्वतीया

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

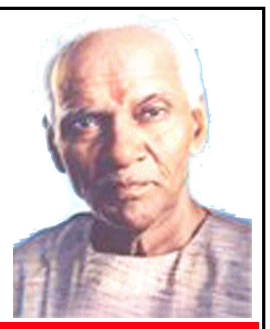

संपादकीय

इम्तिहान के दिन आ रहे हैं और चिंता गई है....

इम्तिहान के दिन आ रहे हैं और चिंता गई है। बहुत से बच्चे तो मानते हैं कि किसी न किसी तरह इम्तिहान टल जाएं। कई बार तो ऐसा होता है कि पूरे साल मेहनत की होती है, लेकिन जैसे ही प्रश्न-पत्र सामने आता है, सब कुछ भूल जाते हैं या बहुत कुछ आते हुए भी उस समय ठीक से याद नहीं आता। ऐसी मुश्किलों से हर पीढ़ी लोग गुजरे हैं। प्रश्न-पत्र सामने आने से पहले खूब डर लगता था। दिल की धड़कनें बढ जाती थीं। पेपर से पहले रात भर तरह-तरह की चिंता में नींद नहीं आती थी। डर लगा रहता था कि कहीं कुछ पढ़ने से रह न गया हो। तब बड़े समझाते थे कि तुम्हें सब आता है, घबराओ मत। प्रश्न-पत्र जब मिलेगा, तब सारा डर खुद-ब-खुद खत्म हो जाएगा। पूरे भरोसे से परीक्षा देना। पहले ध्यान से पूरे प्रश्न-पत्र को पढ़ना । जो आता हो, उसे सबसे पहले करना। बच्चे भी पूरी रात जागकर पढ़ाई करते थे और जब सुबह होती थी तो नींद आने लगती है। परीक्षा देने जाते वक्त रास्ते भर सिर्फ यही सोचते रहते थे कि कैसा प्रश्न-पत्र आएगा।

इन दिनों भी बच्चों को इस तरह की परेशानियां और चिंताएं बहुत होती हैं । इम्तिहानों के डर से बहुत से बच्चे घर तक से भाग जाते हैं या बीमार पड़ जाते हैं। इसीलिए इन दिनों सीबीएसई और तमाम राज्य सरकारें इम्तिहान के दिनों में बच्चों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करती हैं। तमाम एफएम चैनल्स में मनोवैज्ञानिक और काउंसलर बच्चों की मदद के लिए मौजूद रहते हैं। इम्तिहान के समय होने वाली चिंता, समय पर कुछ न याद आना, प्रश्न-पत्र देखते ही सब कुछ भूल जाने को अंग्रेजी में %टेस्ट एंग्जाइटी% कहते हैं। बताया जाता है कि सोलह से बीस फीसदी तक बच्चे तरह-तरह की एंग्जाइटी के शिकार होते हैं। अमेरिका में दस से लेकर चालीस फीसदी तक बच्चे टेस्ट एंग्जाइटी से पीड़ित पाए गए हैं। इम्तिहानों में अच्छा कर सकें, इसके लिए थोड़ी-बहुत चिंता या तनाव तो ठीक है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा बढ़ जाना ठीक नहीं है। बच्चों को तरह-तरह के डर सताते हैं कि कहीं फेल न हो जाएं। नंबर अच्छे नहीं आए तो माता-पिता, दोस्तों और अड़ोसी पड़ोसियों का सामना कैसे करेंगे?

वैसे भी, इन दिनों माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे के हर विषय में सौ में सौ अंक आएं। वे क्लास में ही नहीं, पूरे बोर्ड एग्जाम में टॉप करें। इस तरह की उम्मीद बच्चों का तनाव बढ़ाती हैं। न केवल तनाव, बल्कि उल्टी, पेट दर्द, जरूरत से ज्यादा पसीना आने लगता है। इससे बच्चों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। एनसीआरबी की रिपोर्ट में बताया गया था कि बोर्ड के इम्तिहानों की चिंता के कारण आत्महत्या करने वाले बच्चों की तादाद तमिलनाडु में सबसे ज्यादा है। वहां बोर्ड के इम्तिहानों से पहले सौ बच्चों पर एक अध्ययन किया गया था। इनमें पचास लड़के और पचास लड़कियां थीं। इस अध्ययन में पता चला कि आठ फीसदी बच्चे ऐसे थे, जिनमें इम्तिहान की चिंता या टेस्ट एंग्जाइटी जरूरत से ज्यादा थी। इसे सीवियर टेस्ट एंग्जाइटी कहते हैं। अड़तीस फीसदी में कुछ कम और चार फीसद में मामूली थी। लड़कियों के मुकाबले लड़कों में टेस्ट एंग्जाइटी ज्यादा थी। इसके अलावा, संयुक्त परिवारों के मुकाबले, एकल परिवारों में रहने वाले बच्चे इससे अधिक ग्रस्त थे । इसका कारण बताया गया कि माता-पिता यदि बच्चों पर ध्यान न भी दे पाएं तो दादा-दादी का सहारा मिल जाता है और उन्हें इम्तिहान के दिनों में कम तनाव और चिंता होती है। संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चों में सीवियर टेस्ट एंग्जाइटी पाई ही नहीं गई । इम्तिहान के दिनों में लगभग सभी बच्चों में चिंता के लक्षण देखे गए। दसवीं, बारहवीं के बच्चों में नौवीं, ग्यारहवीं के बच्चों के मुकाबले अधिक टेस्ट एंग्जाइटी पाई गई। कुछ बच्चों की यह आदत होती है कि जब प्रश्न-पत्र आता है तो सबसे पहले मुश्किल सवालों को हल करने की कोशिश करते हैं, जो कि बिलकुल गलत है।

विद्यानिवास मिश्र

विद्यानिवास मिश्र हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, सफल सम्पादक, संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान और जाने-माने भाषाविद थे। हिन्दी साहित्य को अपने ललित निबंधों और लोक जीवन की सुगंध से सुवासित करने वाले विद्यानिवास मिश्र ऐसे साहित्यकार थे, जिन्होंने आधुनिक विचारों को पारंपरिक सोच में खपाया था। साहित्य समीक्षकों के अनुसार संस्कृत मर्मज्ञ मिश्र जी ने हिन्दी में सदैव आँचलिक बोलियों के शब्दों को महत्व दिया। विद्यानिवास मिश्र के अनुसार- हिन्दी में यदि आँचलिक बोलियों के शब्दों को प्रोत्साहन दिया जाये तो दुरूह राजभाषा से बचा जा सकता है, जो बेहद संस्कृतनिष्ठ है। मिश्र जी के अभूतपूर्व योगदान के लिए ही भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण से भी सम्मानित किया था।

जन्म तथा शिक्षा- हिन्दी की ललित निबन्धों की परम्परा को उन्नति के शिखर पर पहुँचाने वाले कुशल शिल्पी पंडित विद्यानिवास मिश्र का जन्म 28 जनवरी, सन 1926 में पकडडीहा गाँव, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। वे अपनी बोली और संस्कृति के प्रति सदैव आग्रही रहे। सन 1945 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर एवं डाक्टरेट की उपाधि लेने के बाद विद्यानिवास मिश्र ने अनेक वर्षों तक आगरा, गोरखपुर, कैलिफोर्निया और वाशिंगटन विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य किया। वे देश के प्रतिष्ठित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय एवं काशी विद्यापीठ के कुलपति भी रहे। इसके बाद अनेकों वर्षों तक वे आकाशवाणी और उत्तर प्रदेश के सूचना विभाग में कार्यरत रहे।

ललित निबंध लेखन- विद्यानिवास मिश्र के ललित निबन्धों की शुरुआत सन 1956 ई. से होती है। परन्तु आपका पहला निबन्ध संग्रह 1976 ई. में 'छितवन की छाँह प्रकाश में आया। उन्होंने हिन्दी जगत को ललित निबन्ध परम्परा से अवगत कराया। 'तुम चन्दन हम पानी शीर्षक से जो निबन्ध प्रकाशित हुए, उनमें संस्कृत साहित्य के सन्दर्भ का प्रयोग अधिक हो गया और पाण्डित्य प्रदर्शन की प्रवृत्ति के कारण लालित्य दब गया, जो आपकी पहली दो रचनाओं में मिलता था। तीसरे निबन्ध संग्रह 'आंगन का पंछी और बनजार मन में परिवर्तन आया। इस तथ्य को स्वयं निबन्धकार स्वीकार करता है- छितवन की छांह मेरे मादक दिनों की देन है, 'कदम की फूली डाल मेरे विन्ध्य प्रवास का, जो बाद में आवास ही बन गया, का फल है और 'तुम चन्दन और हम पानी मेरे संस्कृत अन्वेषण की देन है। अब चौथा संग्रह आपके हाथों में है, दुविधा के क्षणों की सृष्टि है। इसलिए इसका शीर्षक भी द्विविधात्मक है। बरसों तक भोजपुरी वातावरण के स्मृतिचित्र उरेहता रहा, उसी में मन चाहे पद पर जब वापस होने की आशंका। इसलिए जहाँ मन 'आगंन का पंछी बनकर चहका, वहीं उसका बनजारा मन उसे विगत और अनागत दिशाओं में रमने-घूमने के लिए अकुलाता भी रहा।

साहित्य सृजनकर्ता- हिन्दी साहित्य के सर्जक विद्यानिवास मिश्र ने साहित्य की ललित निबंध की विधा को नए आयाम दिए। हिन्दी में ललित निबंध की विधा की शुरूआत प्रताप नारायण मिश्र और बालकृष्ण भट्ट ने की थी, किंतु इसे ललित निबंधों का पूर्वाभास कहना ही उचित होगा। ललित निबंध की विधा के लोकप्रिय नामों की बात करें तो हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र एवं कुबेरनाथ राय आदि चर्चित नाम रहे हैं। लेकिन यदि लालित्य और शैली की प्रभाविता और परिमाण की विपुलता की बात की जाए तो विद्यानिवास मिश्र इन सभी से कहीं अग्रणी रहे हैं। विद्यानिवास मिश्र के साहित्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण हिस्सा ललित निबंध ही हैं। उनके ललित निबंधों के संग्रहों की संख्या भी लगभग 25 से अधिक है।

पौराणिक विषयों पर निबन्ध- लोक संस्कृति और लोक मानस उनके ललित निबंधों के अभिन्न अंग थे, उस पर भी पौराणिक कथाओं और उपदेशों की फुहार उनके ललित निबंधों को और अधिक प्रवाहमय बना देते थे। उनके प्रमुख ललित निबंध संग्रह हैं- राधा माधव रंग रंगी, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, शैफाली झर रही है, छितवन की छांह, बंजारा मन, तुम चंदन हम पानी, महाभारत का काव्यार्थ, भ्रमरानंद के पत्र, वसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं और साहित्य का खुला आकाश आदि आदि। वसंत ऋतु से विद्यानिवास मिश्र को विशेष लगाव था, उनके ललित निबंधों में ऋतुचर्य का वर्णन उनके निबंधों को जीवंतता प्रदान करता था। वसंत ऋतु पर लिखे अपने निबंध संकलन फागुन दुइ रे दिना में वसंत के पर्वों को व्याख्यायित करते हुए, अपना अहंकार इसमें डाल दो शीर्षक से लिखे निबंध में वे शिवरात्रि पर लिखते हैं-

शिव हमारी गाथाओं में बड़े यायावर हैं। बस जब मन में आया, बैल पर बोझा लादा और पार्वती संग निकल पड़े, बौराह वेश में। लोग ऐसे शिव को पहचान नहीं पाते। ऐसे यायावर विरूपिए को कौन शिव मानेगा वह भी कभी-कभी हाथ में खप्पर लिए। ऐसा भिखमंगा क्या शिव है

इसके बाद इन पंक्तियों को विवेचित करते हुए विद्यानिवास मिश्र जी लिखते हैं-

हाँ, यह जो भीख मांग रहा है, वह अहंकार की भीख है। लाओ, अपना अहंकार इसमें डाल दो। उसे सब जगह भीख नहीं मिलती। कभी-कभी वह बहुत ऐश्वर्य देता है और पार्वती बिगड़ती हैं। क्या आप अपात्र को देते हैं शिव हंसते हैं, कहते हैं, इस ऐश्वर्य की गति जानती हो, क्या है मद है। और मद की गति तो कागभुसुंडि से पूछो, रावण से पूछो, बाणासुर से पूछो।

इन पंक्तियों का औचित्य समझाते हुए मिश्र जी लिखते हैं- पार्वती छेड़ती हैं कि देवताओं को सताने वालों को आप इतना प्रतापी क्यों बनाते हैं शिव अट्टाहास कर उठते हैं, उन्हें प्रतापी न बनाएँ तो देवता आलसी हो जाएँ, उन्हें झकझोरने के लिए कुछ कौतुक करना पड़ता है।

यह मिश्र जी की अपनी उद्भावना है, प्रसंग पौराणिक हैं, किंतु वर्तमान पर लागू होते हैं। पुराण कथाओं का संदर्भ देते हुए विद्यानिवास मिश्र ने साहित्य के पाठकों को भारतीय संस्कृति का मर्म समझाने का प्रयास किया है।

योगदान- विद्यानिवास मिश्र के ललित निबंधों में जीवन दर्शन, संस्कृति, परंपरा और प्रकति के अनुपम सौंदर्य का तालमेल मिलता है। इस सबके बीच वसंत ऋतु का वर्णन उनके ललित निबंधों को और अधिक रसमय बना देता है। ललित निबंधों के माध्यम से साहित्य को अपना योगदान देने वाले विद्यानिवास हिन्दी की प्रतिष्ठा हेतु सदैव संघर्षरत रहे, मारीशस से सूरीनाम तक अनेकों हिन्दी सम्मेलनों में मिश्र जी की उपस्थिति ने हिन्दी के संघर्ष को मजबूती प्रदान की। हिन्दी की शब्द संपदा, हिन्दी और हम, हिन्दीमय जीवन और प्रौढ़ों का शब्द संसार जैसी उनकी पुस्तकों ने हिन्दी की सम्प्रेषणीयता के दायरे को विस्तृत किया। तुलसीदास और सूरदास समेत भारतेन्दु हरिश्चन्द्र अज्ञेय, कबीर, रसखान, रैदास, रहीम और राहुल सांकृत्यायन की रचनाओं को संपादित कर उन्होंने हिन्दी के साहित्य को विपुलता प्रदान की।

संस्कृति एवं कला मर्मज्ञ - विद्यानिवास मिश्र कला एवं भारतीय संस्कृति के मर्मज्ञ थे। खजुराहो की चित्रकला का सूक्ष्मता और तार्किकता से अध्ययन कर उसकी नई अवधारणा प्रस्तुत करने वाले विद्यानिवास मिश्र ही थे। अकसर भारतीय चिंतक विदेशी विद्वानों से बात करते हुए खजुराहो की कलाकृतियों को लेकर कोई ठोस तार्किक जवाब नहीं दे पाते थे। विद्यानिवास जी ने अपने विवेचन के माध्यम से खजुराहो की कलाकृतियों की अवधारणा स्पष्ट करते हुए लिखा है-

यहाँ के मिथुन अंकन साधन हैं, साध्य नहीं। साधक की अर्चना का केंद्रबिंदु तो अकेली प्रतिमा के गर्भगृह में है। यहाँ अभिव्यक्ति कला रस से भरपूर है, जिसकी अंतिम परिणति ब्रह्म रूप है। हमारे दर्शन में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की जो मान्यताएँ हैं, उनमें मोक्ष प्राप्ति से पूर्व का अंतिम सोपान है काम।

नए इनकम टैक्स बिल में क्या है खास, प्वाइंट में समझिए पूरी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नया आयकर बिल पेश कर दिया है। इसका मकसद मौजूदा आयकर कानून की जटिलताओं को दूर करना और उसे करदाताओं के लिए आसान बनाना है। यह बिल लोकसभा में पास भी हो गया है। आइए 10 प्वाइंट में जानते हैं कि इस आयकर बिल में क्या खास है और इससे टैक्सपेयर्स को क्या लाभ होगा।

नया इनकम टैक्स बिल क्यों बना- नए इनकम टैक्स बिल का मकसद कानून को सरल और स्पष्ट बनाना है। इस नए बिल से लगभग 3 लाख शब्द कम किए गए हैं। इससे कानून अधिक सुगम और समझने में आसान होगा। साथ ही, बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने और टैक्स सिस्टम को पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

880 की जगह 622 पन्ने- नए इनकम टैक्स बिल को पहले आयकर कानून 1961 की जगह पेश किया गया है। पुराने कानू में कुल 880 पन्नों थे। नए कानून में 622 पन्ने रखे गए हैं। इसमें ज्यादातर सबसेक्शन खत्म कर दिए गए हैं। नए कानून को इनकम टैक्स एक्ट, 2025 कहा जाएगा।

पुराने और गैरजरूरी प्रावधान हटाए गए पुराने और गैरजरूरी प्रावधान हटा दिए गए हैं। इससे कानून अधिक प्रासंगिक हो गया है। मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। इसे आम नागरिकों के समझने लायक बनाया गया है।

आसान और स्पष्ट भाषा- पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है। जैसे 'नॉटविथस्टैंडिंग' को 'इरिस्पेक्टिव ऑफ एनीथिंग' में बदला गया है। इससे आम लोगों के लिए कानून पढ़ना और समझना आसान होगा।

असेसमेंट ईयर की जगह टैक्स ईयर- अब 'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' होगा। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा वित्त वर्ष की तरह। अगर कोई व्यवसाय बीच में शुरू होता है, तो उसका टैक्स ईयर उसी वित्त वर्ष में खत्म होगा।

श्रीलंका में बड़े प्रोजेक्ट से बाहर हुई अडानी की कंपनी, क्यों आई नौबत, समझें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी ग्रुप की कंपनी- अडानी ग्रीन एनर्जी ने श्रीलंका में अपने 2 विंड एनर्जी प्रोजेक्ट्स को छोड़ दिया है। कंपनी द्वारा श्रीलंकाई सरकारी एजेंसी को भेजे गए एक पत्र के मुताबिक अडानी ग्रीन एनर्जी ने कहा कि वह श्रीलंका में दो प्रस्तावित विंड एनर्जी प्रोजेक्ट्स से हट जाएगी। श्रीलंका की सरकार ने पिछले महीने कहा था कि उसने 1 अरब डॉलर के प्रोजेक्ट से बिजली की लागत कम करने के लिए अडानी समूह के साथ बातचीत शुरू की है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की खबर के मुताबिक कंपनी ने श्रीलंका के निवेश बोर्ड के चेयरमैन को संबोधित एक लेटर में लिखा- यह पता चला है कि प्रोजेक्ट प्रस्ताव पर फिर से बातचीत करने के लिए एक और कैबिनेट द्वारा नियुक्त वार्ता समिति और परियोजना समिति का गठन किया जाएगा। इस पहलू पर हमारी कंपनी के बोर्ड में विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि कंपनी श्रीलंका के संप्रभु अधिकारों और उसकी पसंद का पूरा सम्मान करती है लेकिन वह सम्मानपूर्वक विंड प्रोजेक्ट्स से हट जाएगी। इस मामले पर अब तक ना तो श्रीलंका के निवेश बोर्ड की ओर से प्रतिक्रिया आई है और ना ही अडानी समूह ने बयान दिया है।

बता दें कि बीते साल नवंबर महीने में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा गौतम अडानी और अन्य अधिकारियों पर भारतीय बिजली आपूर्ति अनुबंधों को सुरक्षित करने के लिए रिश्वत देने की योजना का हिस्सा होने का आरोप लगा था।

कमजोर नतीजों के बाद नैटको फार्मा के शेयर धड़ाम, निवेशकों में स्टॉक बेचने की होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। नैटको फार्मा लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार को 20 फीसदी की गिरावट आई, क्योंकि कंपनी ने दिसंबर तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में 37.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की। बीएसई पर शेयर 19.86 फीसदी गिरकर 975 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 19.99 फीसदी गिरकर 975.05 रुपये पर आ गया। इससे माना जा रहा है कि फार्मा कंपनियों के लिए चुनौतियां बढ़ रही हैं।

नैटको फार्मा लिमिटेड ने बुधवार को अपने तिमाही नतीजे जारी करते हुए बताया कि दिसंबर तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में 37.75 फीसदी की गिरावट आई और यह 132.4 करोड़ रुपये रहा। इसकी वजह फॉर्मूलेशन एक्सपोर्ट में गिरावट रही। नैटको फार्मा ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 212.7 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था।

समीक्षाधीन तिमाही में ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 474.8 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 758.6 करोड़ रुपये था। तीसरी तिमाही में फॉर्मूलेशन निर्यात पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 605.6 करोड़ रुपये की तुलना में कम होकर 285.8 करोड़ रुपये रहा। नैटको फार्मा ने कहा कि घरेलू बाजार में फॉर्मूलेशन की बिक्री 96.1 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 99.4 करोड़ रुपये थी।

नैटको फार्मा के शेयरों का हाल - नैटको फार्मा के शेयरों में पिछले काफी समय से लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसने पिछले 6 महीने में करीब 33 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है। हालांकि, बीते एक साल में निवेशकों ने इससे 15 फीसदी का मुनाफा कमाया है। इसका मार्केट कैप घटकर 17.7 हजार करोड़ रुपये आ गया है। इसका एक साल का हाई लेवल 1,639.00 रुपये है।

7 वाले शेयर ने 5 साल में दिया 583% रिटर्न, अब फिर मची है हलचल, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शानदार तिमाही नतीजे के बाद इंफ्रा और कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी- पटेल इंजीनियरिंग के शेयर में गुरुवार को तूफानी तेजी थी। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यह शेयर अपनी पिछली क्लोजिंग 45.75 रुपये के मुकाबले 6% बढ़कर 48.50 प्रति शेयर पर आ गया। बीते साल फरवरी महीने में शेयर 74.99 रुपये के स्तर तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई था। इस लिहाज से शेयर रिकवरी मोड में है। मार्च 2020 में शेयर 7.10 के स्तर पर था। इस लिहाज से शेयर वर्तमान में 580% से ज्यादा पर ट्रेड कर रहा है। दिसंबर तिमाही में परिचालन से पटेल इंजीनियरिंग का राजस्व 1205 करोड़ रहा, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 1061 करोड़ से 13.62% से ज्यादा है। कंपनी का परिचालन एबिटा 29.50% बढ़कर 184 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 142 करोड़ था। ऑपरेटिंग एबिटा मार्जिन की बात करें तो 13.39त से बढ़कर 15.26% हो गया है। कंपनी के प्रॉफिट की बात करें तो एक साल पहले के 70.2 करोड़ से बढ़कर 80.4 करोड़ हो गया। 31 दिसंबर 2024 तक पटेल इंजीनियरिंग का ग्रॉस डेब्ट 1422 करोड़ था, जो 31 मार्च, 2024 के 1885 करोड़ से कम है। दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की ऑर्डर बुक 16396 करोड़ थी, जिसमें 63% परियोजनाएं जलविद्युत सेग्मेंट से संबंधित थीं।

होम लोन हुआ सस्ता, बैंकों ने घटाई ब्याज दर; क्या आपका बैंक भी है इनमें शामिल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दिनों आरबीआई ने रेपो रेट में कटौती की थी। अब देश के 6 बड़े बैंकों ने होम लोन पर ब्याज दर घटा दी है। इसमें केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे दिग्गज बैंक शामिल हैं। उन्होंने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट में 0.25 फीसदी तक की कटौती की है।

RLLR यानी रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट वह दर होती है, जिस पर बैंक ग्राहकों को लोन देते हैं। यह सीधे RBI के रेपो रेट से लिंक्ड होती है। जो ग्राहक RLLR लिंक्ड होम लोन का विकल्प चुनते हैं, उनकी ब्याज दर RBI की रेपो रेट में बदलाव के हिसाब से कम होती है या बढ़ती है। होम लोन में ज्यादातर ग्राहक फ्लोटिंग रेट की चुनते हैं, जो RLLR से जुड़े होते हैं। RLLR में कटौती के बाद बैंक ग्राहकों को EMI घटाने या फिर लोन की अवधि कम कराने का विकल्प देते हैं।

किन बैंकों ने लोन पर ब्याज दर घटाई- RBI के रेपो रेट घटाने के बाद, देश के 6 प्रमुख बैंकों ने होम लोन की ब्याज दरें कम कर दी हैं। आइए जानते हैं कौन-कौन से बैंक इसमें शामिल हैं और उनके नए रेट क्या हैं।

केनरा बैंक- केनरा बैंक ने अपनी RLLR को 9.25 फीसदी से घटाकर 9.00 फीसदी कर दिया है। यह नई दर 12 फरवरी 2025 से लागू होगी। यह कटौती उन खातों पर लागू होगी, जो 12 फरवरी 2025 के बाद खोले गए हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट को 8.90 फीसदी कर दिया है। यह नई दर 10 फरवरी 2025 से लागू होगी। बैंक के मौजूदा और नए ग्राहकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

बैंक ऑफ इंडिया- बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ऋक्र को 9.35 फीसदी से घटाकर 9.10 फीसदी कर दिया है। यह नई ब्याज दर 7 फरवरी 2025 से लागू हो गई है। इससे नए और पुराने दोनों ग्राहकों की श्वस्र्ध कम होगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ऋक्रको 9.25 फीसदी से घटाकर 9.00 फीसदी कर दिया है। यह नई दर 11 फरवरी 2025 से प्रभावी होगी। इससे नए होम लोन लेने वालों को ब्याज में राहत मिलेगी।

इंडियन ओवरसीज बैंक- इंडियन ओवरसीज बैंक ने अपनी ऋक्रमें 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जिससे यह 9.35 फीसदी से घटकर 9.10 फीसदी हो गई है। यह बदलाव 11 फरवरी 2025 से लागू होगा।

वोडाफोन आइडिया को देनी होगी 6,000 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी, शेयर में उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन दिन की लगातार गिरावट के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयर की कीमत गुरुवार को 6% से अधिक उछल गई। बीएसई पर वोडाफोन आइडिया का शेयर 6.89 प्रतिशत चढ़कर 8.99 रुपये पर पहुंच गया। वोडाफोन आइडिया के शेयर में यह तेजी मीडिया में उन खबरों के बावजूद आई है जिनमें कहा गया है कि दूरसंचार विभाग ने संकटग्रस्त टेलीकॉम ऑपरेटर से 6,000 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी मांगी है। दोपहर 1 बजे, वोडाफोन आइडिया के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई पर 5.01 प्रतिशत बढ़कर 8.81 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। एक समय ये 8.99 रुपये के डे हाई को टच कर चुके थे। इसका 52 हफ्ते का हाई 19.18 रुपये और 52 हफ्ते का लो 6.61 रुपये है।

सरकारी सूत्रों के हवाले से मनीकंट्रोल ने अपनी खबर में बताया है कि टेलीकॉम डिपॉर्टमेंट ने वोडाफोन आइडिया को 10 मार्च तक 6,090 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी देने का निर्देश दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मंदसौर शहर की घनी बस्ती में घूमते हुए दिखा तेंदुआ, लोगों में डर का माहौल

मंदसौर । लगातार काम होते जंगल क्षेत्र का असर अब यह हो रहा है कि तेंदुए सहित वन्य प्राणी रहवासी क्षेत्र में आने लगे हैं। मंगलवार-बुधवार के दरमियानी रात में शहर के घनी बस्ती वाले क्षेत्र किटियानी में तेंदुआ विचरण करते हुए दिखा यह पूर्व मंत्री कैलाश चावला के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है।

तेंदुआ मंदसौर में कहां से पहुंचा इसके लिए वन विभाग की टीम जांच कर रही है, क्योंकि यहां से गांधीसागर अभयारण्य काफी दूर है। अभयारण्य व मंदसौर के बीच गांधीसागर जलाशय का जल भराव क्षेत्र है। इतनी विशाल झील को पार कर आना तेंदुए के लिए संभव नहीं है। वन विभाग इस जांच में जुट गया है कि तेंदुआ किधर से आया होगा।मंदसौर के रेवास देवड़ा क्षेत्र से लगा हुआ प्रतापगढ़ (राजस्थान) का सीता माता अभयारण्य है इसमे तेंदुओं की बहुलता है। इस अभयारण्य में सियार, लकड़बग्गा, नील गाय सहित अन्य वन्य प्राणी भी है जो रेवास देवड़ा के जंगल में तो घूमते रहते हैं। वन क्षेत्र में पानी की कमी होने पर अक्सर तेलिया तालाब तक भी पानी पीने आते रहते हैं। पर तेंदुआ पहली बार रहवासी क्षेत्र की तरफ आया है।

तेलिया तालाब के आसपास खेतों से होकर पहुंचा किटियानी तरफअभी तक जो कयास लगाए जा रहे हैं उनमें तेंदुआ तेलिया तालाब के आस पास खेतों से होकर महाविद्यालय के पीछे से किटियानी में पहुंच गया होगा।

बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक करने वालों को होगी 3 साल की जेल

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल(माशिमं)की 10वीं व 12वीं परीक्षा 25 फरवरी से आयोजित की जाएगी। इस बार प्रश्नपत्र वायरल करने वालों के खिलाफ स्कूल शिक्षा विभाग सख्त कदम उठाएगा। सायबर क्राइम की टीम के साथ मिलकर प्रश्न-पत्रों को वायरल करने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों या संबंधितों पर नजर रखी जाएगी। प्रश्नपत्र वायरल करने वालों पर परीक्षा अधिनियम 1937 के तहत तीन साल की जेल व पांच हजार रुपये जुर्माना लगेगा।सोशल मीडिया पर अभी 20 से अधिक ग्रुप प्रश्न-पत्रों को वायरल करने के लिए सक्रिय हो गए हैं। इनपर नकेल कसने के लिए मंडल की ओर से पांच सदस्यीय गठित समिति भी नजर रखेगी।

हर जिले में जिला स्तरीय कमेटी गठित की गई है। साथ ही मंडल मुख्यालय स्तर पर भी ऑनलाइन निगरानी होगी।समिति में जिला कलेक्टर, सीईओ, संभागीय संयुक्त संचालक, संभागीय अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी निगरानी करेंगे।वहीं मंडल मुख्यालय में भी हर जिले के नोडल अधिकारी बैठाए जाएंगे, जो परीक्षा संचालन पर आनलाइन निगरानी करेंगे। बता दें,कि इस साल करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे।

सोशल मीडिया पर अलग-अलग ग्रुप हुए एक्टिवमंडल के अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा शुरू होने के पहले ही अभी से सोशल मीडिया(टेलीग्राम आदि) पर 20 से अधिक ग्रुप बनने की जानकारी मिली है। इन ग्रुपों में नार्मल, गोल्ड व पैलेटिनम पैकेज दिए जा रहे है। इसमें प्रश्न-पत्रों की कीमत 500 से 2500 रुपये की रुपये रखी है। वास्तविक प्रश्नपत्रों की गारंटी भी दी जा रही है। इसे लेकर माशिमं ने राज्य सायबर सेल को पत्र लिख चुका है।फर्जी ग्रुप से बचें अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड परीक्षाओं के नजदीक आने के साथ ही सोशल मीडिया पर विद्यार्थियों से धोखाधड़ी करने वाले कई ग्रुप सक्रिय हो जाते हैं। कई ग्रुप पैसों की मांग करते हैं और विद्यार्थियों को फर्जी प्रश्नपत्र उपलब्ध कराते हैं। इस वजह से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को आर्थिक हानि होने के साथ मानसिक तकलीफ का भी सामना करना पड़ता है, जबकि प्रश्नपत्र भी नकली होते हैं।

प्रस्ताव की तत्काल सूचना दें स्कूल शिक्षा विभाग ने अभिभावकों और विद्यार्थियों से कहा है कि उनके साथ इस तरह के कोई भी प्रस्ताव सोशल मीडिया एवं अन्य साधनों से प्राप्त होते है तो उन पर विश्वास न करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और कलेक्ट्रेट में इसकी जानकारी दें। विभाग ने स्कूलों से कहा है कि वे इस बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करें।

भोपाल में भीख देने पर पहली एफआईआर दर्ज, एमपी नगर थाने में हुई शिकायत

भोपाल। एमपी नगर थाने में बुधवार को भीख देने व लेने वाले के खिलाफ पहली एफआइआर दर्ज की गई है। यह एफआइआर समाजसेवी मोहन सोनी की शिकायत पर हुई है। उन्होंने भिक्षावृत्ति की वीडियोग्राफी की व इसे अधिकारियों के साथ थाने पहुंचकर बताया।

इसके पुलिस ने प्राथमिक तौर पर बीएनएस की धारा 223 के तहत एफआइआर दर्ज की है। बता दें कि इससे पहले एक युवक से भिक्षुक का विवाद हो गया था, तब पुलिस झगड़े का प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस के मुताबिक एकता नगर कोहेफिजा निवासी 43 वर्षीय मोहन सोनी ने बताया कि वह एक अशासकीय समाज सेवी संस्था में सचिव हैं।भिक्षावृत्ति के प्रतिबंधित संबंधी कलेक्टर के आदेश का पालन करते हुए कार्रवाई करने के लिए नियुक्त किया गया है। इससे मैं बुधवार दोपहर सवा तीन बजे टीम के साथ बोर्ड ऑफिस चौराहे पहुंचा, जहां देखा कि एक ट्रक चालक द्वारा भिक्षुक को भिक्षा दी जा रही थी।भिक्षुकों को पकड़ने मैदान में उतरीं टीमें संस्थाएं दर्ज करवाएंगी एफआईआर भोपाल शहर में भिक्षावृत्ति को पूरी तरह से खत्म करने के लिए बुधवार को टीमें मैदान में उतरीं। टीमों के सदस्यों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भिक्षुकों से पूछताछ की और उनसे आश्रय स्थल जाने के लिए कहा। हालांकि अधिकांश भिक्षुकों ने आश्रय स्थल जाने से मना कर दिया।वहीं अब भीख देने और लेने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की जिम्मेदारी संस्थाओं को सौंपी गई है। खासतौर से एयरपोर्ट से रोशनपुरा चौराहा तक भिक्षुकों की पहचान करने के लिए टीमों का गठन किया गया है।अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गईइन टीमों को जिला पंचायत की सीईओ इला तिवारी ने बुधवार को आदेश जारी किए हैं। जिसमें बताया गया है कि एयरपोर्ट से रोशनपुरा चौराहा तक भिक्षुक की पहचान कर उनके खिलाफ आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 223 के तहत कार्रवाई करने के लिए विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यह अधिकारी अपने अधीनस्थ टीम के सदस्यों की ड्यूटी लगाकर भिक्षावृत्ति करने वालों के खिलाफ कार्रवाइ करेंगे।

टेलीग्राम एप से एमबीबीएस छात्रा को फंसाया, टास्क के नाम पर 44.11 लाख ठगे

ग्वालियर। दिल्ली में पढ़ाई कर रही एमबीबीएस छात्रा मेघना चौहान (23 वर्ष) के साथ टेलीग्राम मैसेजिंग एप के जरिये 44 लाख 11 हजार 363 रुपये की ठगी की गई है। ठगों द्वारा छात्रा को टेलीग्राम एप के एक ग्रुप में जोड़ा गया। यहां ठगों ने उसे एक टेलीग्राम यूजर ने टास्क के जरिये हर दिन एक हजार से लेकर दो हजार रुपये तक कमाने का झांसा दिया।

छात्रा उनके झांसे में फंस गई और उसके खाते से रुपये ठगे जाते रहे। छात्रा ने इस मामले में शुक्रवार को एसएसपी धर्मवीर सिंह से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर साइबर क्राइम विंग ने एफआइआर दर्ज कर ली। ठगी के आरोपितों में जावेद खान का नाम आया है।छात्रा के अनुसार, ठगों ने उसे पहले होटल रेटिंग, फिर अलग-अलग टास्क के जरिये एक हजार रुपए तक का मुनाफा आनलाइन दिया। इसके बाद उसको झांसे में लेकर 44.11 लाख रुपये हड़प लिए। जब ठगी का अहसास हुआ, तब तक काफी देर हो चुकी थी।छात्रा ग्वालियर के आदित्यपुरम स्थित आईएटीएस कॉलेज के पास की निवासी है। उसके साथ ठगी तब हुई, जब वह छुट्टी पर ग्वालियर आई हुई थी। पीड़ित छात्रा मेघना के पिता संजय सिंह चौहान फौज में थे।

पिता का निधन के बाद धन मिला था। यह रुपया मां के खाते में है। छात्रा और उसकी मां का ज्वाइंट खाता है। इस खाते को छात्रा ही आपरेट करती है। इंटरनेट बैंकिंग वही करती है।

ग्वालियर में मां की आखों में मिर्ची डालकर बच्चे को किया किडनैप

ग्वालियर। शहर के मुरान क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बच्चे के अपहरण की वारदात सामने आई है। कारोबारी राहुल गुप्ता की पत्नी जब बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रही थीं, तो बाइक सवार दो बदमाशों ने उनकी आंखों में मिर्ची पाउडर डाल दिया।

इसके बाद बच्चे को उठाकर बाइक पर बैठ भाग निकले। कारोबारी की पत्नी उनके पीछे दौड़ी लेकिन तब तक वो दूर निकल गए थे।घटना के बाद से माता-पिता और आस-पास के लोग सड़क पर बैठ गए हैं। कारोबारी और उनकी पत्नी पुलिस से बार-बार अपने बच्चे को वापस लाने की गुहार कर रहे हैं।

बच्चे की जानकारी देने वाले को 30 हजार का इनाम मुरार सीपी कॉलोनी से किडनैप हुए बच्चे (शिवाय गुप्ता) या अपहरणकर्ताओं की जानकारी देने वाले को आईजी अरविंद सक्सेना 30,000 रुपये की इनाम राशि देने घोषणा की है। उन्होंने जानकारी देने के? लिए +91 91310 46472 नंबर जारी किया है।

2 रुपये किलो बिक रहा टमाटर किसानों को नहीं मिल रही लागत, जूस कंपनियों ने भी छोड़ा साथ

इन्दौर। देशभर में टमाटर की बंपर फसल होने के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल टमाटर के दाम 100 से 160 रुपये प्रति किलो तक पहुंचे थे, जिससे किसानों ने इस बार दो से तीन गुना अधिक टमाटर की फसल लगा दी। लेकिन अब हालात यह हैं कि इंदौर की थोक मंडी में टमाटर मात्र 2 से 5 रुपये किलो बिक रहा है, जिससे किसानों को लागत तक नहीं मिल पा रही। इंदौर और उसके आसपास के 100-125 किलोमीटर के क्षेत्र में भारी पैदावार के कारण मंडी में टमाटर की भरमार हो गई है। अकेले मध्यप्रदेश में ही डेढ़ लाख कैरेट टमाटर तैयार है, लेकिन कम कीमत के कारण किसान मंडी तक माल ले जाने से भी कतरा रहे हैं। महाराष्ट्र, उत्तर भारत और दक्षिण भारत

में भी यही स्थिति बनी हुई है, जहां किसान बंपर उत्पादन के बावजूद सही दाम न मिलने से परेशान हैं। टमाटर की अधिकता के बावजूद इस बार जूस कंपनियां भी बाजार से माल नहीं उठा रही हैं। आमतौर पर जब टमाटर के दाम गिरते हैं, तो जूस कंपनियां इसे खरीदकर स्टॉक कर लेती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने भी हाथ खींच लिए हैं, जिससे किसानों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। इंदौर में रोजाना 10,000 कैरेट टमाटर की आवक हो रही है

इंदौर मंडी में भी टमाटर रखने की समस्या खड़ी हो गई है। सांई ट्रेडिंग कंपनी के योगेश विरहे के अनुसार, इंदौर में रोजाना 10,000 कैरेट टमाटर की आवक हो रही है, जबकि खपत मात्र 5,000 से 6,000 कैरेट ही है। अधिक उत्पादन और कम खपत के चलते आम उपभोक्ता भी टमाटर खरीदने से बच रहा है। इंदौर की थोक मंडी में टमाटर 2 से 5 रुपये किलो में बिक रहा है, जबकि बेहतरीन क्वालिटी का टमाटर 7 रुपये प्रति किलो तक पहुंच रहा है। फुटकर बाजार में ठेलों और खेरची में टमाटर 5 से 8 रुपये किलो मिल रहा है।

दूसरी ओर, इंदौर में गुटखा थूकने वालों पर नगर निगम ने सख्ती तेज कर दी है। स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर को नंबर वन बनाए रखने के लिए निगम लगातार कार्रवाई कर रहा है। जनवरी के एक महीने में ही गुटखा खाकर सड़कों पर थूकने वाले 3,500 से अधिक लोगों पर कार्रवाई कर 6.5 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। हालांकि, जुर्माने के बावजूद पान और गुटखे की लत कम नहीं हो रही है, जिससे शहर की दीवारें, डिवाइडर और सार्वजनिक स्थल गंदे हो रहे हैं।

नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 6,500 से अधिक लोगों पर कार्रवाई करते हुए 7.81 लाख रुपये जुर्माने के रूप में वसूले गए थे, लेकिन इस साल जनवरी में ही आधी संख्या पूरी हो गई है और फरवरी में भी कार्रवाई जारी है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने 'नो थू-थू' अभियान भी शुरू किया था, जिसमें लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए थे। निगम के सफाई मित्र सड़कों और डिवाइडरों की सफाई कर-करके परेशान हो चुके हैं, लेकिन लोग अपनी आदतों में सुधार लाने को तैयार नहीं हैं। बावजूद इसके, निगम स्वच्छता बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

खेतों में फसल कटाई उपरांत अवशेषों (नरवाई) जलाने पर प्रतिबंध

इन्दौर। पर्यावरण सुरक्षा को देखते हुए नेशनल ग्रीन टिब्यूनल के निर्देशों के क्रम अंतर्गत प्रदेश में फसलों विशेषतः धान एवं गेंहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में जारी निर्देशों के उल्लंघन किये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण विभाग द्वारा नरवाई में आग लगाने के विरूद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि दण्ड का प्रावधान निर्धारित किया गया है।

इस संबंध में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने एक आदेश जारी करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि आवश्यक व्यवस्था बनाकर बेहतर पर्यावरण जन स्वास्थ्य एवं जीव जन्तुओं की जीवन सुरक्षा सुनिश्चित करें तथा जारी आदेशानुसार प्राथमिकता से कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। बताया गया कि ऐसा कोई व्यक्ति/निकाय/ कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 2500 रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा। ऐसा कोई व्यक्ति/निकाय/कृषक जिसके पास 2 से 5 एकड़ तक की भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 5 हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा। ऐसा कोई व्यक्ति/निकाय/कृषक जिसके पास 5 एकड़ से अधिक भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 15 हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा।

उक्त दण्ड वसूलने हेतु संबंधित व्यक्ति/निकाय/कृषक जिनके द्वारा नरवाई जलाकर पर्यावरण को क्षति पहुँचाई गई है, को उप संचालक कृषि सूचना-पत्र जारी करेंगे। उक्त सूचना-पत्र को व्यक्ति/निकाय /कृषक पर व्यक्तिशः तामिल कराने की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी की होगी। संबंधित क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी इसका पर्यवेक्षण करेंगे एवं तामिल किए गए सूचना पत्रों की सूची अनुविभागीय कृषि अधिकारी उप संभाग इन्दौर के माध्यम से उप संचालक कृषि को प्रस्तुत करेंगे।

उक्त कार्य हेतु कृषि विस्तार अधिकारी, संबंधित ग्राम के हल्का पटवारी एवं पंचायत सचिव के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। आवश्यकता पडने पर संबंधित थाने से पुलिस बल भी साथ में लिया जा सकता है, परन्तु प्रत्येक प्रकरण में पुलिस बल को नहीं ले जाया जाएगा, मात्र अत्यधिक आवश्यक होने पर ही पुलिस को साथ लेकर सूचना-पत्र तामिल कराया जाएगा।

उप संचालक कृषि द्वारा सूचना-पत्र प्राप्त होने के बाद संबंधित व्यक्ति सूचना-पत्र में उल्लेखित पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि चालान के माध्यम से ट्रेजरी में खाता क्रमांक 0070 (अन्य प्रशासनिक सेवाऐं) में जमा कराकर चालान की एक प्रति कृषि विस्तार अधिकारी को उपलब्ध करायेंगे। उक्त चालान की प्रति एकत्रित कर उसकी सूची बनाकर कृषि विस्तार अधिकारी, अनुविभागीय कृषि अधिकारी उप संभाग इन्दौर के माध्यम से उप संचालक कृषि को प्रस्तुत करेंगे। आदेश में कहा गया है कि नरवाई जलाने से किसानों को रोकने की जिम्मेदारी कृषि विभाग की है एवं भारत सरकार की संस्था आईसीएआर-क्रीम्स द्वारा देश में नरवाई में आग लगाने की मॉनिटरिंग सैटेलाईट के माध्यम से की जा रही है।

प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का समय निकट है। विभिन्न देशों के वाणिज्यिक दूतावासों के माध्यम से प्रदेश में व्यापार और उद्योग की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आवश्यक समन्वयकिया जा रहा है। इस क्रम में विश्व स्तरीय आयोजन की सफलता के लिए विभिन्न देशों के राजदूतों के साथ नई दिल्ली में विचार-विमर्श के लिए बैठक रखी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवा, महिला, किसान और गरीबों का जीवन बेहतर हो, इस उद्देश्य से कृषि के साथ उद्योगों को भी प्रदेश में आवश्यक अधोसंरचना और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस क्रम में मंगलवार को हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में विभिन्न नीतियों को अनुमोदन दिया गया है। उद्योग संबंधी इन नीतियों के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे, नीतियों में राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी गई है। राज्य सरकार कमजोर से कमजोर व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इंदौर जिले में 187 स्थानों पर संचालित हो रहे हैं आधार सेवा केन्द्र

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में इंदौर जिले में नागरिकों को आधार संबंधी सुविधाएं सहज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जगह-जगह आधार सेवा केन्द्र खोले गये हैं, ताकि नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं आसानी से मिल सके। प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री अतुल दुबे ने बताया कि आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य हेतु इंदौर जिले में लगभग 187 आधार सेवा केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इंदौर जिले में विभिन्न बैंकों, बीएसएनएल, लोक सेवा केन्द्र, अभय प्रशाल ?सहित अन्य स्थानों में 76 आधार सेवा केन्द्र संचालित हैं, जहां आधार संबंधी सभी सेवाएं उपलब्ध हैं। इसी तरह जिले में 57 सीएससी सेंटर्स, 32 इंडियन पोस्ट पैमेंट और 22 एमपीएसईडीसी में आधार सेवा केन्द्र संचालित हो रहे हैं, जिनमें आधार में मोबाइल नंबर और एड्रेस अपडेशन संबंधी कार्य कराये जा सकते हैं। इसके अलावा ऑनलाईन आधार अपडेट की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसमें नागरिक स्वयं यूआईडीएआई की वेबसाइड से अपना पता और मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं। आधार पंजीयन/अपडेशन संबंधी कार्य यूआईडीएआई द्वारा निर्धारित डाक्यूमेंट के आधार पर ही किया जाता है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया

इन्दौर। भारत सरकार के निर्देशानुसार फरवरी माह के द्वितीय मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर टुगेदर फॉर द बेटर इंटरनेट÷ थीम पर इस दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इंदौर में शासकीय मालव कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों में सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के संबंध में जागरूकता लाना है। इस आयोजन में एनआईसी के निदेशक श्री शैलेंद्र कुमार नाहर, डीआईओ श्रीमती शीतल पाठक, आरसीबीसी लीड ट्रेनर श्री अतुल पांडे ने उपरोक्त विषय पर छात्राओं से परिचर्चा कर सुरक्षित इंटरनेट एवं इससे जुड़ी अन्य जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

इंदौर की दो फैक्ट्री जलकर खाक, 15 टैंकर पानी लगा, लाखों का माल जल गया

इंदौर के बाणगंगा इलाके में बुधवार को स्थित एक प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गईं। 15 गाड़ियों की मदद से मशक्कत करके आग पर काबू पा लिया गया है। प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग

फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार, आग सुपर कॉरिडोर इलाके के टिगरिया बादशाह स्थित अवंतिका नगर की एक प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी, जिसकी जानकारी सबसे पहले आसपास की अन्य फैक्ट्रियों के चौकीदार ने दी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में उसने भयावह रूप ले लिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक, जिस इलाके में आग लगी, वहां आसपास कई केमिकल और अन्य औद्योगिक उत्पादों की फैक्ट्रियां स्थित हैं, जिससे आग और भी तेजी से फैलने की आशंका बनी रही।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए एक हजार स्कूलों में नगर निगम की सख्ती

इन्दौर। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर के एक हजार से अधिक स्कूलों को शामिल किया गया है। इसी संदर्भ में नगर निगम आयुक्त स्कूलों का दौरा कर रहे हैं और वहां पर मिली कमियों को सुधारने के निर्देश दे रहे हैं। स्वच्छता के प्रति शहर की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए नगर निगम इस बार भी शहर को स्वच्छता में नंबर-1 बनाने के प्रयास में जुटा हुआ है। आठवीं बार स्वच्छता में शहर को नंबर-1 बनाने की योजना के तहत नगर निगम ने विभिन्न पहलुओं पर काम करना शुरू कर दिया है, जिसमें सफाई व्यवस्था और शहर की सुंदरता से लेकर स्कूलों की स्वच्छता भी शामिल है। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में स्कूलों को भी जोड़ा गया है, इसलिए नगर निगम स्कूलों का विशेष निरीक्षण कर रहा है।

सभी 1,000 से अधिक स्कूलों का निरीक्षण- नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में शामिल 1,000 से अधिक स्कूलों का निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक कई स्कूलों का दौरा किया जा चुका है, जिनमें कुछ जगहों पर रखरखाव से जुड़ी समस्याएं सामने आई हैं। इन समस्याओं को देखते हुए आवश्यक सुधार कार्य शुरू कर दिए गए हैं। खजराना क्षेत्र के दो स्कूलों का निरीक्षण किया गया और वहां जल्द ही मरम्मत व सफाई कार्य शुरू किया जाएगा। नगर निगम का लक्ष्य है कि सभी 1,000 से अधिक स्कूलों का निरीक्षण करके वहां की कमियों को दूर किया जाए। स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम को लेकर भी नगर निगम ने विशेष ध्यान दिया है।

बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के लिए 18 फरवरी से शुरू होगा दस्तक अभियान का दूसरा चरण

इन्दौर। बाल स्वास्थ्य और पोषण के लिए दस्तक अभियान का द्वितीय चरण का आयोजन 18 फरवरी से प्रारंभ होगा। अभियान की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। यह अभियान स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से क्रियान्वित होगा।

अभियान के तहत एनीमिया फॉलोअप जांच एवं विटामिन ए अनुपूरण हेतु कार्य किये जाएंगे। अभियान का द्वितीय चरण 18 फरवरी से 18 मार्च तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान 9 माह से 5 साल के बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई जाएगी। साथ ही दस्तक अभियान के प्रथम चरण में एनीमिक पाए गए 6 माह से 5 साल के बच्चों के खून की जांच डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर से की जाएगी। एनीमिया के स्तर की पुनः जांच कर बच्चों का थेरेप्यूटिक प्रबंधन किया जाएगा। अभियान के तहत एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी द्वारा घर-घर जाकर दस्तक दी जायेगी। संबंधित अधिकारियों को बच्चों की लाइन लिस्टिंग तैयार कर अभियान के तहत निर्धारित सेवाएं देने के लिए निर्देशित किया गया है। कहा गया है कि अभियान के दौरान सभी लक्षित बच्चों को लाभान्वित करना सुनिश्चित किया जाए। संबंधित विभागों से समन्वय कर सूक्ष्म कार्ययोजना बनाई जाए। एनीमिक बच्चों को आयरन सप्लीमेंट की खुराक देकर सतत फॉलोअप किया जाए। बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाई जाने के लिए अभियान के तहत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए के घोल की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान के दौरान डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर से बच्चों में एनीमिया की स्थिति को देखा जाएगा एवं एनीमिक पाए गए बच्चों को आयरन सप्लीमेंटेशन सेवन कराया जाएगा।

अवन्तिकायाम विहित्तारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

सीएमएचओ डॉ पटेल ने गुरुवार को जिला गर्भवती पंजीयन की बैठक लेकर समीक्षा की

उज्जैन । जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अशोक कुमार पटेल ने जानकारी दी कि गुरुवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शहरी क्षेत्र की ए.एन.एम. की गर्भवती पंजीयन के संबंध मे समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि, माह जनवरी 2025 तक एच.एम.आई.एस. पोर्टल मे उज्जैन शहरी क्षेत्र का गर्भवती पंजीयन लक्ष्य के विरूद्ध मात्र 56 प्रतिशत ही है। उज्जैन शहरी क्षेत्र मे कार्यरत कुल 07 ए.एन.एम. (महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता) द्वारा माह जनवरी 2025 तके गर्भवती पंजीयन लक्ष्य के विरूद्ध 50 प्रतिशत से भी कम होने के अर्थात लक्ष्य के विरूद्ध शतप्रतिशत न होने के कारण श्रीमती कविता माण्डरे, श्रीमती मोनिका सोलंकी, श्रीमती नंदिनी जोशी, श्रीमती निर्मला अंधेरिया, श्रीमती विद्या कुनरे, श्रीमती लता सोलंकी, श्रीमती सीमा शेरे के विरूद्ध कार्यवाही कर सभी को उज्जैन शहर से ग्रामीण क्षेत्रों के सबसेन्टर पर स्थानांतरित किया गया है।

एच.एम.आई.एस. पोर्टल की समीक्षा के दौरान शहरी क्षेत्र की ही 16 ए.एन.एम. (महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता) जिनके द्वारा गर्भवती पंजीयन लक्ष्य के विरूद्ध 50 से 60 प्रतिशत के बीच किया गया उनके विरूद्ध कार्यवाही कर दो-दो दिवस का वेतन काटने की कार्यवाही की गई है।

इसी प्रकार माह जनवरी 2025 तक एच.एम.आई.एस. पोर्टल की समीक्षा मे शहरी क्षेत्र की 13 ए.एन.एम. (महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता) जिनके गर्भवती पंजीयन 70 प्रतिशत से कम है उनको आगामी सात दिवस में लक्ष्य के विरूद्ध शतप्रतिशत गर्भवती पंजीयन किया जाने हेतु सचेत किया गया है ,सात दिवस पश्चात पुनः गर्भवती पंजीयन के कार्य की समीक्षा की जावेगी एवं 80 प्रतिशत से कम उपलब्धि पाई जाने पर दो दिवस के वेतन काटे जाने की कार्यवाही किये जाने ही हिदायत दी गई है।

नेशनल गेम्स, उत्तराखंड- मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने इतिहास रचा

उज्जैन। उत्तराखंड में चल रहे देश के सबसे बड़े खेल आयोजन नेशनल गेम्स में मध्य प्रदेश के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने इतिहास रचते हुए पहली बार दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मध्य प्रदेश टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दूरभाष पर खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों से चर्चा कर उनकी हौसला अफजाई के साथ ही व्यक्तिगत चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

उत्तराखंड के खटीमा में 10 फरवरी से चल रही मल्लखंब चैंपियनशिप का उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी के कर-कमलों से किया गया। चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश की महिला खिलाड़ियों सर्वश्री अनुष्का नायक, सिद्धि गुप्ता, जेसिका प्रजापति, माही राठौड़, वीरा राठौर एवं अंजली यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 83.20 अंक के साथ स्वर्ण पदक, महाराष्ट्र टीम ने 82.85 अंक के साथ रजत पदक तथा छत्तीसगढ़ टीम ने 80.05 अंक के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। वही पुरुष वर्ग में मध्यप्रदेश टीम के कुंदन कछावा,प्रणीत यादव, देवेंद्र पाटीदार, युवराज घाडगे, प्रणव कोरी,यतिन कोरी ने 126.6 अंक प्राप्त कर भारी अंतर से स्वर्ण पदक,123.3 अंक के साथ महाराष्ट्र को रजत पदक तथा 122.85 अंक प्राप्त कर तमिलनाडु ने कांस्य पदक प्राप्त किया। टीम ने यह उपलब्धि द्रोणाचार्य अवॉर्डी योगेश मालवीय एवं प्रदेश एवं देश में मल्लखंब के भीष्म पितामह के रूप में ख्यात किशोरीशरण श्रीवास्तव के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में प्राप्त की है। इस अवसर पर असिस्टेंट डायरेक्टर खेल एवं युवा कल्याण विकास खराड़कर, विक्रम एवं विश्वामित्र अवॉर्डी डॉ आशीष मेहता, विक्रम अवॉर्डी पंकज सोनी, प्रशिक्षक संतोष राठौड़, शिवांश कौशल, श्वेता चौहान, वरिष्ठ राष्ट्रीय खिलाड़ी लीलाधर कहार, वंदना जैन, दर्शनी त्रिपाठी एवं ओसिन चौबे विशेष रूप से उपस्थित थे।

नलवा में लगा विकासखंड स्तरीय पशु चिकित्सा शिविर

पशु उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान के साथ पशुपालन से सम्बंधित विभागीय योजनाओं, नवीन तकनीक की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी गई।

ग्राम नलवा में वृहत पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ के जिला सहसचिव एमआर मंसूरी ने बताया कि सर्वप्रथम गौ माता का पूजन मुख्य अतिथि सर्वश्री बाबू लाल पटेल वसूली पटेल, गोपाल आंजना, राजाराम चौधरी द्वारा किया गया।

मन मस्तिष्क को ताजगी एवं प्रफुल्लता देता है योग और ध्यान, चैतन्य को जागृत करने के लिए यह अनिवार्य- कुलगुरु

उज्जैन। जन हृदय युवा अभियान के अंतर्गत वैश्विक संस्थान हार्टफुलनेस की उज्जैन इकाई द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय के सभी छात्रावासों एवं अध्ययनशालाओं में प्राचीन योग एवं ध्यान पद्धति का अभ्यास शिविर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के विद्योतमा छात्रावास में तीन दिवसीय ध्यान प्रशिक्षण शिविर से हुआ। प्रारंभ में योगाभ्यास एवं तत्पश्चात ध्यान का अभ्यास गया। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय एवं हार्टफुलनेस संस्था के बीच हुए एम ओ यू के अंतर्गत किया जा रहे हैं। कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने बताया कि वर्तमान समय में हमारे विद्यार्थी चिंता, निराशा, अवसाद तथा तनाव ग्रस्त वातावरण से निजात पाकर ईश्वरीय प्रेम, आनंद व आरोग्य का लाभ लेकर अपने शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास में उन्नति करे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में योग एवं ध्यान का अत्याधिक महत्व है, यह मन मस्तिष्क को प्रफुलित रखने एवं चैतन्य को जागृत करने का मार्ग है जो विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। कुलगुरु ने आश्वस्त कराया कि विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को योग एवं ध्यान का उचित मार्गदर्शन अवश्य मिलेगा। उल्लेखनीय है कि उक्त अभ्यास का प्रशिक्षण संस्था की प्रशिक्षक बहनें डॉ अंशु भारद्वाज, डॉ उमा परमार, डॉ स्मिता भवालकर, डॉ संगीता पाटकर एवं डॉ नीना आर्य, ज्योति सचान द्वारा दिया गया।

मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा धूमिल कर रहे निगम अधिकारी

शुक्रवार को नगर निगम कर्मचारी वाहन रैली निकालकर देंगे ज्ञापन

उज्जैन। 8 दिन से नगर निगम गेट पर आंदोलन कर रहे कर्मचारियों की आवाज निगम अधिकारियों तक नहीं पहुंच रही, इसलिए आठवें दिन भी कोई अधिकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों से चर्चा करने नहीं आये। ये निगम अधिकारी हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा धूमिल करने में लगे हैं। शुक्रवार को धरना प्रदर्शन के पश्चात नगर निगम कर्मचारी दोपहर 1.30 बजे महापौर, निगम अध्यक्ष एवं आयुक्त को वाहन रैली निकालकर ज्ञापन देने पहुंचेंगे।

उक्त उद्गार गुरुवार को कर्मचारियों के आंदोलन के आठवें दिन सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉ. पवन व्यास ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि निगम अधिकारी प्रयागराज से लौट आये हैं फिर भी निगम कर्मचारियों की सुध नहीं ली। अभी तक प्रयागराज की थकान उतारने में लगे हैं। आंदोलन कर रहे कर्मचारियों की मांगों के निराकरण से इन्हें कोई लेना-देना नहीं है। सभी मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो सेवानिवृत्त कर्मचारी आमरण अनशन करेंगे।

मध्यप्रदेश नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष संजय चौबे ने अपना समर्थन पत्र तीनों कर्मचारी संघ के संरक्षक श्री कोरट को सौंपा और उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सभी न्यायोचित मांगों का निराकरण जल्द से जल्द किया जाना चाहिये।

स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ अध्यक्ष रमेशचंद्र रघुवंशी ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि निगम अधिकारी गाय का दूध निकालने में लगे हैं। तभी तो उन्हें कर्मचारियों की मांगों से कोई लेना-देना नहीं है। सेवानिवृत्त निगम इंजीनियर प्रभुलाल टटवाल ने कहा कि कर्मचारियों की सभी मांगों को इन अधिकारियों को मानना ही होगा, अगर नहीं मानी गई तो हम कोरट साहब के साथ मिलकर आंदोलन करेंगे।

सफाई कामगार संघ अध्यक्ष चंदगीराम टांकले ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के बजट में 664 पद मंजूर थे लेकिन स्थापना के लिपिक और अधिकारियों की मिलीभगत से 343 पद कर दिये गये, इसकी जांच की जाना चाहिये और दोषियों पर कार्यवाही होना चाहिये। आंदोलन का संचालन सफाई कामगार संघ सचिव संदीप कलोसिया ने किया।

संरक्षक रामचंद्र कोरट ने कहा कि 8 दिन बीतने के बाद भी एक भी अधिकारी चर्चा करने नहीं आये। ऐसा लग रहा है जैसे इन अधिकारियों को नगर निगम और निगम कर्मचारियों से कुछ लेना- देना नहीं है। शुक्रवार को कर्मचारी 1 बजे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर वाहन रैली में शामिल होवें।

इस अवसर पर सत्यनारायण दास, अजयप्रकाश मेहता, मनसुख मेहरवाल, अल्काब भाई, नितिन मुसले, कैलाश जैन, रामकुमार सारवान, कमलेश चावरे, शैलेष नागर, मनोज सक्सेना, दिलीप घावरी, सुनील भैरवे, राजेन्द्र देवधरे, महेश चौहान, मनसुख चौहान सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

भाई बहिन प्रेम के प्रतीक मंदिर पर आज लगेगी दर्शनार्थियों की भीड़

उज्जैन। देश मे विदेशी संक्राति को आज के युवा जहां बढावा देकर वैलंटाइन डे 14 फरवरी को मनाने के लिए आतुर है वहीं देश की धार्मिक नगरी उज्जैन में युवाओ को इस दिन भाई बहिन प्रेम मदिर में दर्शन पूजन का इंतजार रहता है। शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर शांति पेलेस चौराहे के करीब बायपास रोड पर जीवन खेड़ी में स्थित है देश का पहला मंदिर भाई- बहन प्रेम मंदिर जहां 14 फरवरी को स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है द्य हम सनातन धर्म पर चलने वाले, हम माता पिता भाई बहन से प्रेम करते हैं द्य आज पश्चिमी संस्कृति मानव को विनाश की ओर लेकर जा रही हैद्य लेकिन सनातनी धर्म की संस्कृति धर्म की ओर ले जाया जा रही है इस उद्देश्य यह मंदिर का निर्माण किया गया द्य यह देश का पहला मंदिर है जिसमें शुभ और भाई बहन संतोषी मां अपने भाइयों को राखी बांधते हुए द्व इसकी स्थापना 14 फरवरी 2004 को चार धाम मंदिर के पीठाधीश्वर एवं संस्थापक स्वामी शांति स्वरूपानंद जी महाराज 1008 द्वारा की गई थी मंदिर का निर्माण करवाने वाले समाज सेवी डॉक्टर के. सी. नागवंशी ने बताया यह मंदिर पर आने से भाई और बहन का प्रेम बना रहता है। 14 फरवरी स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाएगाद्य आपने मुख्यमंत्री जी को मंदिर की सड़क पानी बिजली के लिए भी आवेदन देकर निवेदन किया है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com